स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
आर एण्ड डी सेन्टर फॉर आयरन एण्ड स्टील
R & D CENTRE FOR IRON AND STEEL

संचार विभाग / Communications Department
समाचार कतरन / News Clippings

तिथि :

आज
रांची, २४ दिसम्बर, २०२२

कोकमेकिंग में अपशिष्ट प्लास्टिक कणिकाओं के पुनः उपयोग से पर्यावरण संरक्षण की पहल

रांची। एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते, सेल हमेशा पर्यावरण की सुरक्षा व संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उपयोग की जा चुकी प्लास्टिक की वस्तुओं से उत्पन्न कचरे का प्रबंधन, विशेष रूप से जीवन के अंत वाले प्लास्टिक जिन्हें पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता है, का प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता व पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, आरडीसीआईएस ने कोकमेकिंग में कोयले के साथ अपशिष्ट प्लास्टिक के दानों के उपयोग का चुनौतीपूर्ण कार्य किया था। रांची में अपनी पायलट सुविधाओं में कोयले के मिश्रण के साथ प्लास्टिक के दानों को जोड़ने के दौरान उत्साहजनक परिणाम प्राप्त करने के बाद, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आरडीसीआईएस) ने कोयले के मिश्रण में प्लास्टिक के दानों के सम्मिश्रण के लिए एक सुविधा की अवधारणा की, जिसे भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) द्वारा इन–हाउस संसाधनों के साथ स्थापित किया गया है। 23 दिसंबर 2022 को कार्यकारी निदेशक निर्विक बनर्जी की उपस्थिति में बीएसपी के प्रभारी निदेशक अनिर्बन दासगुप्ता द्वारा कोक ओवन बैटरियों में कुल कोयले के मिश्रण के लगभग 0.1 वजन प्रतिशत तक प्लास्टिक के दानों के प्रायोगिक उपयोग का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील व भिलाई स्टील प्लांट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह प्रायोगिक अध्ययन छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बोर्ड के अनुमोदन से किया जा रहा है।

देशप्राण स्वतंत्र हिन्दी दैनिक
रांची, 24 दिसम्बर, 2022

पर्यावरण संरक्षण के लिए आरडीसीआईएस की पहल

रांची : एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के नाते, सेल हमेशा पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उपयोग की जा चुकी प्लास्टिक की वस्तुओं से उत्पन्न कचरे का प्रबंधन, विशेष रूप से जीवन के अंत वाले प्लास्टिक जिन्हें पुनः चक्रित नहीं किया जा सकता है, का प्रबंधन एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। प्लास्टिक प्रदूषण की गंभीरता और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए। रांची में अपनी पायलट सुविधाओं में कोयले के मिश्रण के साथ प्लास्टिक के दानों को जोड़ने के दौरान उत्साहजनक परिणाम प्राप्त करने के बाद, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील ने कोयले के मिश्रण में प्लास्टिक के दानों के सम्मिश्रण के लिए एक सुविधा की अवधारणा की, जिसे भिलाई स्टील प्लांट (इरढ) द्वारा इन-हाउस संसाधनों के साथ स्थापित किया गया है।